आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

# हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 317 | उज्जैन, मंगलवार 07 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

## छिंदवाड़ा प्रकरण में सभी दोषियों के विरुद्ध की जाएगी कठोर कार्रवाई-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

### मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि छिंदवाड़ा प्रकरण में सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार सजग और संवेदनशील है, मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस क्रम में औषधि निरीक्षक छिंदवाड़ा श्री गौरव शर्मा, औषधि निरीक्षक जबलपुर श्री शरद कुमार जैन, उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन श्री शोभित कोस्टा को निलंबित और ड्रग कंट्रोलर श्री दिनेश मौर्य को अन्यत्र स्थानांतरित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा प्रकरण के संबंध में

सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अभियान चलाकर घर-घर से रिकवर करें प्रतिबिंधत दवा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोल्ड्रिफ सिरप के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही दुकानों में विद्यमान स्टॉक जप्त किया जाए। छिंदवाड़ा और आसपास के जिलों में जिन परिवारों ने यह दवा ली है, उनके घरों से दवा रिकवर करने के लिए सघन अभियान चलाया जाए। आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं के साथ ही सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों का सहयोग लिया जाए। कोल्ड्रिफ सिरप दवा के अलावा पिछले दिनों क्षेत्र में बिकने वाली अन्य दवाओं की प्रभावशीलता का भी आकलन कराया जाए। दवाओं पर जो चेतावनी और सावधानियां लिखी जानी चाहिए, वह लिखी जा रही हैं या नहीं इसकी जांच के लिए अभियान आरंभ किया जाए। इन नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई की जाए।

## बारिश-बर्फबारी के बाद गुलाबी ठंड की शुरुआत, पहाड़ों पर तेजी से गिरेगा पारा; मैदानी इलाकों में कब आएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में मानसून की विदाई के साथ ही मौसम भी करवट लेने वाली है। एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल एवं उत्तराखंड समेत मैदानी क्षेत्रों में तीन-चार दिनों के भीतर गर्मी और उमस से राहत मिल जाएगी, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कई क्षेत्रों में तेज हवा के साथ बारिश का दौर शुरू हो चुका है। भारत मौसम विभाग (आइएमडी) का अनुमान है कि सोमवार से उत्तर भारत में मौसम में बड़ा बदलाव दिखाई देगा और आठ अक्टूबर से तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है। जम्मू-कश्मीर और उसके आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती सर्कुलेशन सक्रिय हो चुका है, जिससे बारिश के साथ ओलावृष्टि और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ का असर हिमाचल और उत्तराखंड तक दिखेगा। ऊपरी क्षेत्रों में झमाझम बारिश होगी। इससे तापमान में तेज गिरावट आएगी और ठंड का अहसास जल्द ही शुरू हो जाएगा। आईएमडी के अनुसार यह पश्चिमी विक्षोभ इस सीजन का पहला बड़ा सिस्टम है जो उत्तर भारत के मौसम को पूरी तरह बदल देगा। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सात अक्टूबर तक गरज-चमक के साथ भारी बारिश और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं चल सकती हैं।

## तत्काल मिली सहायता, भूटान में बाढ़ प्रभावित लोगों के बचाव में उतरी भारतीय सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूटान में रविवार की सुबह अमोचू नदी क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ के कारण कई परिवार और श्रमिक अस्थायी आवास और कार्यबल शिविर में फंस गए। उन्हें बचाने के लिए शुरू किए गए अभियान में भारतीय सेना ने भूटान के अधिकारियों की मदद की। भूटान की राष्ट्रीय एयरलाइन ड्रुकेयर का एक हेलीकाप्टर जब खराब मौसम के कारण उड़ान नहीं भर सका, तो उन्होंने भारत से तत्काल सहायता मांगी।

भारतीय सेना ने तुरंत लिया एक्शन- सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फंसे कर्मियों को सुरक्षित निकालने और उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए दो हेलीकाप्टर तैनात किए।

उन्होंने बताया कि भूटान की शाही सरकार ने भारतीय सेना को समय पर और जीवन रक्षक सहायता प्रदान करने के लिए, साथ ही रॉयल भूटान आर्मी और ड्रुकेयर टीमों को उनके साहसिक प्रयासों के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने बताया कि इस घटना ने एक बार फिर भूटान और भारत के बीच स्थायी मित्रता और सहयोग को रेखांकित किया है।

## जयपुर के SMS अस्पताल में लगी आग से 8 की मौत, पीएम मोदी, सीएम भजनलाल समेत इन नेताओं ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू वार्ड में अचानक आग लग गई। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई।

पीड़ितों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि जब अस्पताल में आग लगी, उस वक्त डॉक्टर और कंपाउंडर वहां से भाग खड़े हुए। जयपुर के अस्पताल में हुए इस हादसे ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे पर पीएम मोदी और राज्य के सीएम भजनलाल शर्मा ने दुख व्यक्त किया है।

जयपुर की घटना पर पीएम मोदी ने जताया दुख- प्रधानमंत्री मोदी ने जयपुर की अग्निकांड की घटना पर दुख व्यक्त किया है। पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा कि राजस्थान के जयपुर स्थित एक अस्पताल में आग लगने से हुई जान-माल की हानि अत्यंत दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

सीएम भजनलाल शर्मा ने भी जताया दुख- राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकों एवं अधिकारियों से जानकारी ली और त्वरित राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मरीजों की सुरक्षा, इलाज और प्रभावित लोगों की देखभाल के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

## दूसरे के वाहन को अपना समझ लगाई चाबी, लोगों ने पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के मेडक जिले में एक गलतफहमी का मामला इस कदर बढ़ा कि लोगों ने दो युवकों को दुपहिया वाहन चोर समझकर पकड़ लिया और एक को खंभे से बाधकर जिंदा जला दिया।

पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि वाडियाराम गांव में तीन अक्टूबर की रात में दो युवक पहुंचे और अपनी गाड़ी खड़ी करके कहीं चले गए। लौटते समय वे अनजाने में अपनी ही गाड़ी से मिलते जुलते एक अन्य दुपहिया वाहन में चाबी लगाने लगे। गांव के लोगों ने समझा कि ये वाहन चोर हैं और उन्हें पकड़कर बुरी तरह पीटा।

### पेट्रोल डालकर लगा दी आग

बाद में कुछ लोगों ने 22 साल के एक युवक को बिजली के खंभे से बांध दिया और उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इसके बाद लोग उस झुलसे युवक को पुलिस थाने ले गए, जहां से उसे अस्पताल ले जाया गया।

### 70 प्रतिशत झुलसा युवक

पुलिस के मुताबिक युवक 70 प्रतिशत झुलस चुका है। उसे हैदराबाद रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच जारी है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

## ठाणे के केमिकल गोदाम में लगी आग, बुझाते हुए घायल हुआ फायर ऑफिसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग बुझाने पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारी भी बुरी तरह से जख्मी हो गए हैं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा चुका है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

यह घटना ठाणे स्थित एक केमिकल गोदाम की है। रविवार की रात लगभग 9:45 बजे गोदाम में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

## प्रधानमंत्री मोदी इस महीने करेंगे 2 इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के लिए यह महीना बेहद खास होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही भारत को दो बड़े एयरपोर्ट की सौगात देने जा रहे हैं। पीएम मोदी अक्टूबर महीने में नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (जेवर) का उद्घाटन करेंगे। यह दोनों एयरपोर्ट लंदन के हीथ्रो और अमेरिका के न्यूयॉर्क एयरपोर्ट्स को टक्कर देते नजर आएंगे।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने नवी मुंबई एयरपोर्ट को पहले ही एयरोडोम का लाइसेंस दे दिया है। जेवर एयरपोर्ट को भी जल्द ही लाइसेंस मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को नवी मुंबई एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। 1,160 हेक्टेयर में फैला यह एयरपोर्ट 19,647 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुआ है। इस एयरपोर्ट का काम 5 चरणों में पूरा होगा।

पहले चरण के तहत यह एयरपोर्ट हर साल 2 करोड़ पैसेंजर्स और 5 लाख टन कार्गो की क्षमता का वहन कर सकता है। वहीं, एयरपोर्ट का काम पूरा होने के बाद यहां 4 टर्मिनल होंगे, जिससे इसकी क्षमता बढ़कर 9 करोड़ पैसेंजर्स और 3.25 मिलियन टन कार्गो की हो जाएगी।

एयर इंडिया, इंडिगो और अकासा एयर जैसी देश की टॉप एयरलाइन कंपनियों के विमान नवी मुंबई एयरपोर्ट से उड़ान भरेंगे। यह एयरपोर्ट महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम और अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड का संयुक्त उद्यम है, जिसमें अडानी एयरपोर्ट का 74 प्रतिशत हिस्सा है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (जेवर)- नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को करेंगे। इससे दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए हवाई यात्रा काफी आसान हो जाएगी।

उद्घाटन के 45 दिन बाद जेवर एयरपोर्ट पर विमानों के उड़ान भरने की संभावना है। पहले चरण के तहत सिर्फ एक रनवे शुरू होगा, जिसकी क्षमता सालाना 1.2 करोड़ पैसेंजर्स की होगी।

जेवर एयरपोर्ट पूरी तरह से बनकर तैयार होने के बाद इसकी क्षमता बढ़कर सालाना 7 करोड़ पैसेंजर्स की हो जाएगी। यह एयरपोर्ट 2 बिलियन डॉलर (लगभग 17,756 करोड़ रुपये) की लागत से बनकर तैयार होगा।

टिकट बुकिंग- नवी मुंबई एयरपोर्ट के लिए टिकट बुकिंग शुरू हो चुकी है। वहीं, नोएडा एयरपोर्ट के लिए टिकट बुकिंग नवंबर के आखिर या दिसंबर के पहले हफ्ते में शुरू होने की संभावना है।

# 9/11 आतंकी हमले से एक साल पहले ही दे दी थी लादेन को लेकर चेतावनी, ट्रंप ने नया दावा कर मांगा क्रेडिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अब एक ऐसा दावा किया है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है। उन्होंने अबकी बार ओसामा बिन लादेन को लेकर दावा करते हुए कहा कि 9/11 के हमलों से ठीक एक साल पहले उन्होंने तत्कालीन अमेरिकी सरकार को ओसामा बिन लादेन के बारे में चेतावनी दी थी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि उनकी बातों को तत्कालीन अमेरिकी सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। इन सब के बीच हाल के दिनों में कई युद्धों को रुकवाने का क्रेडिट लेने वाले ट्रंप ने यहां भी क्रेडिट लेने की कोशिश। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर आपके कामों के लिए आपको कोई क्रेडिट ना दे, तो आप खुद से ले लीजिए।

राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर मांग एक और क्रेडिट- दरअसल, वर्जीनिया के नॉरफॉक में अमेरिकी नेवी की 250वीं सालगिरह पर आयोजित कार्यक्रम को राष्ट्रपति ट्रंप ने संबोधित किया। ट्रंप ने इस दौरान आतंकी संगठन अलकायदा के पूर्व प्रमुख का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को याद रखना चाहिए कि मैंने ओसामा बिन लादेन के बारे में 9/11 हमले से ठीक एक साल पहले ही लिखा था। तत्कालीन अमेरिकी सरकार को लादेन पर नजर रखने के लिए कहा था।

इतना ही नहीं, ट्रंप ने यहां तक कह दिया कि उन्होंने ओसामा के बारे में जो बयान दिया, अगर वह सच नहीं होता है, तो कल तक न्यूज भी बन जाएगी। यह वजह है कि वह सच बोल रहे हैं।

ट्रंप का दावा- लादेन को मैंने देखा था- इसी कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मैंने तत्कालीन अमेरिकी सरकार को लिखा था कि मैंने ओसामा बिन लादेन नाम के व्यक्ति के बारे में सुना है और उसे देखा है। मुझे वह पसंद नहीं आया, आपको (सरकार) उसका ध्यान रखना होगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, सरकार ने ऐसा नहीं किया। लेकिन फिर भी मुझे इसका थोड़ा सा क्रेडिट तो लेना ही होगा।

# फ्रांस में नए प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने दिया इस्तीफा, एक महीने पहले ही बने थे पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस से इस वक्त एक बड़ी खबर सामने आई है। फ्रांस के नए प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने एक महीने से भी कम समय पहले ही इस पद पर अपना कार्यभार किया था। राष्ट्रपति मैक्रॉन ने सोमवार को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। दरअसल, फ्रांस में राजनीतिक संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बता दें कि फ्रांस के नए प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने सोमवार को अपने नए मंत्रिमंडल की नियुक्ति के कुछ ही घंटों बाद इस्तीफा दे दिया। कहा जा रहा है कि उन्होंने उन्होंने अपना पद ऐसे समय में छोड़ा है, जब उनके सहयोगियों और विरोधियों ने उनकी सरकार को गिरानी की धमकी दी थी।

शेयर बाजार में आई गिरावट- बता दें कि फ्रांस के पीएम का ये इस्तीफा अप्रत्याशित और अभूतपूर्व रहा है। इसने फ्रांस के राजनीतिक संकट को और गहरा कर दिया है। इस्तीफे की खबर सामने आने के बाद फ्रांस के शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है।

## हत्यारों-आतंकियों से हम कर रहे बात..., गाजा में ट्रंप के शांति प्रयासों के बीच ऐसा क्यों बोले US विदेश मंत्री?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष को रोकने के लिए ट्रंप ने शांति प्रयासों पर जोर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा संकट को खत्म करने के लिए 20 सूत्रीय शांति योजना की पेशकश की है।

माना जा रहा है कि जल्द ही मिडिल ईस्ट में शांति की स्थिति बहाल होगी। ट्रंप की ओर से पेश की गई शांति योजना के तहत हमास सभी बंधकों को रिहा करेगा। हमास को अभी 48 बंधकों को रिहा करना है। इस बीच मेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की प्रतिक्रिया सामने आई है।

क्या बोले अमेरिकी विदेश सचिव- अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने हमास के साथ हो रही बातचीत पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मार्को रुबियो का कहना है कि यह कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं, है, बल्कि आतंकवादियों और खतरनाक लोगों से निपट रहे हैं। मार्को रुबियो ने दोनों पक्षों से शांति की भी अपील की है। उन्होंने कहा कि बमबारी के बीच बंधकों को रिहा नहीं किया जा सकता है, इसलिए बमबारी को रोकना होगा।

दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मार्को रुबियो ने लिखा कि हम किसी राजनीतिक आंदोलन से नहीं, बल्कि हत्यारों, बर्बर लोगों और आतंकवादियों से निपट रहे हैं।

## तुम ठीक हो दोस्त?, पूछते ही युवक ने US में भारतवंशी बिजनेसमैन के सिर में मारी गोली

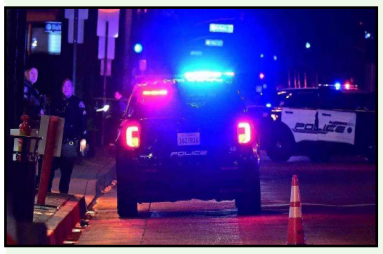

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में बाहर से आए लोगों के खिलाफ नफरत बढ़ती जा रही है। अलग-अलग शहरों से आए दिन हेट क्राइम के मामले सामने आते हैं। हाल ही में एक भारतीय मूल का बिजनेसमैन भी इस नफरत का शिकार हो गया, जहां एक व्यक्ति ने पॉइंट ब्लैंक पर उन्हें गोली मार दी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

यह घटना अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित पिट्सबर्ग शहर की है।पिट्सबर्ग के रॉबिन्सन टाउनशिप में भारतीय मूल के 51 वर्षीय कारोबारी राकेश एहागाबन एक मोटाल चलाते थे।

शुक्रवार की दोपहर उनकी दुकान के बाहर कुछ लोग लड़ाई कर रहे थे। ऐसे में राकेश होटल से बाहर निकले और झगड़ा शांत कराने की कोशिश करने लगे। तभी आरोपी ने राकेश के सिर में गोली दाग दी। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आरोपी व्यक्ति की पहचान 37 वर्षीय स्टेनली यूजीन वेस्ट के रूप में हुई है। स्टेनली होटल के बाहर बनी पार्किंग में एक महिला से लड़ाई कर रहा था। पुलिस के अनुसार, राकेश बाहर आए और दोनों की लड़ाई शांत करवाने की कोशिश की।

## इस साल इन लोगों को मिला चिकित्सा में नोबेल पुरस्कार, किस खोज के लिए हुए सम्मानित?

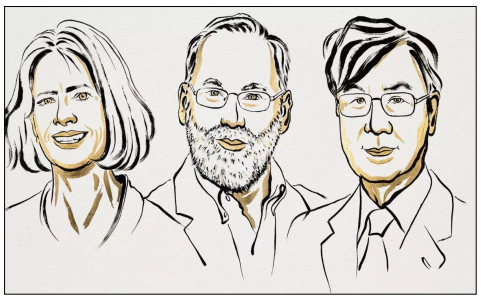

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार 6 अक्टूबर को रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने चिकित्सा में नोबेल पुरस्कार की घोषणा की। साल 2025 के लिए यह पुरस्कार अमेरिका के मैरी ई। ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और जापान के शिमोन साकागुची को मिला।

नोबेल ज्यूरी ने कहा, उन्हें यह सम्मान प्रतिरक्षा प्रणाली को नियंत्रित रखने से जुड़ी रिसर्च के लिए दिया गया। यह खोज चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। बता दें इन तीनों को ये पुरस्कार परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता यानी पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस से संबंधित खोजों के लिए मिला है।

विजेताओं को कितनी मिलती है धनराशि- चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल विजेताओं का चयन स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट मेडिकल यूनिवर्सिटी की असेंबली द्वारा किया जाता है। इस पुरस्कार को पाने वाले विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्राउन यानी (1।2 मिलियन डॉलर) की धनराशि के साथ स्वीडन के राजा द्वारा एक मेडल भी दिया जाता है।

कैंसर और एंटी इम्यून रोगों के उपचार में मील का पत्थर- नोबेल पुरस्कार समिति ने कहा कि, उनकी खोजों ने रिसर्च के एक नए क्षेत्र की नींव रखी दी है। इससे कैंसर और एंटी इम्यून रोगों के उपचार में मदद मिलेगी।

साल 2024 में किसे मिला था चिकित्सा का नोबेल- चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार जिसे आम तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार खा जाता है। यह सम्मान आज से करीब 125 साल पहले से दिया जा रहा है। 1901 से 2024 के बीच 229 वैज्ञानिकों को उनके रिसर्च के उत्तम काम के लिए ये पुरस्कार दिया जा चूका है।

## तुम इतने निगेटिव क्यों हो?, हमास डील पर ट्रंप ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से फोन पर क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच शांति प्रस्ताव पर बातचीत जारी है। इसी बीच दोनों देश एक-दूसरे के बंदियों को छोड़ने के लिए सहमत हो गए हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की है।

ट्रंप ने इजरायली पीएम को अच्छा सोचने की सलाह दी है। दरअसल ट्रंप ने नेतन्याहू को बधाई देने के लिए फोन किया था, लेकिन नेतन्याहू का मानना था कि इसमें खुशी मनाने जैसी कोई बात नहीं है।

ट्रंप ने नेतन्याहू से क्या कहा- एक्सिओस की रिपोर्ट के अनुसार, बेंजामिन नेतन्याहू की बात सुनकर ट्रंप नाराज हो गए। उन्होंने नेतन्याहू से कहा, ÷मुझे समझ नहीं आता तुम हमेशा गलत ही क्यों सोचते हो? यह हमारी जीत है। इस बात को मान लो।÷

ट्रंप से फोन पर बातचीत के दौरान बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि 20 पॉइंट पीस प्लान पर हमास की प्रतिक्रिया से साफ है कि वो इसे ठुकराने के मूड में हैं। हालांकि, ट्रंप इसके बिल्कुल विपरीत सोच रहे हैं। उन्हें लगता है कि हमास इस प्रस्ताव को जरूर मानेगा।

दोनों नेताओं ने जारी किया बयान- फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप और नेतन्याहू ने स्टेटमेंट जारी करते हुए बताया कि गाजा पर हवाई हमले रोक दिए गए हैं। 3 घंटे बाद नेतन्याहू फिर से हमले के आदेश दे सकते हैं।

ट्रंप के अनुसार,- मैंने बीबी से कहा कि अब तुम्हारी जीतने की बारी है। अभी वो ठीक है, धीरे-धीरे और बेहतर हो जाएगा। इसके अलावा उसके पास कोई विकल्प नहीं है। मेरे साथ वो हमेशा ठीक रहेगा।

## 2 नकाबपोश युवकों ने मस्जिद में लगाई आग, पुलिस ने फोटो जारी कर लोगों से की ये अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूरोप में हेट क्राइम का मुद्दा लगातार बढ़ रहा है। इंग्लैंड के दक्षिणी हिस्से में 2 नकाबपोश युवकों ने मस्जिद को आग के हवाले कर दिया। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना में किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, इस घटना में मस्जिद का ढांचा तहस-नहस हो गया है।

मस्जिद में लगाई आग- यह घटना शनिवार की है। इंग्लैंड के पीसहेवन में युवकों ने मस्जिद के एंट्री गेट पर ही आग लगाई थी। इससे बाहर खड़ी कई गाड़ियां भी आग की चपेट में आ गईं। पुलिस ने अब दोनों आरोपियों की फोटो जारी करते हुए लोगों से मदद मांगी है।

पुलिस ने जारी की तस्वीरें- मस्जिद में आग की पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। हालांकि, आरोपियों ने चेहरा ढक रखा था, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने आरोपियों की पहचान के लिए उनकी फोटो जारी की है। जांच अधिकारी गविन पैच के अनुसार, ÷इस हमले के बाद लोगों में डर का माहौल है। कई लोग खुद को कम सुरक्षित महससू कर रहे हैं।

गविन पैच ने कहा- इस आगजनी में कई लोगों की जान खतरे में आ गई थी। घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान के लिए हम कई लोगों से पूछताछ कर रहे हैं।

# न्यायाधीशों के अधिकारों का अनादर, CJI पर जूता उछालने की घटना की SCAORA ने की निंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने कोर्ट रूम 1 में प्रवेश किया और कथित तौर पर भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमला करने के इरादे से उन पर कुछ फेंकने की कोशिश की है। हालांकि, ठीक इस दौरान वहां पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसको पकड़ लिया और कोर्ट रूम से बाहर लेकर गए। बाद में कोर्ट की सुनवाई सुचारु रूप से शुरू हो सकी। इस घटना की एससीओएआरए ने निंदा की है। एसोसिएशन ने इस घटना पर गहरी पीड़ा और अस्वीकृति व्यक्त की है।

एससीओएआरए ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया- लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीओएआरए) ने सर्वसम्मति से एक वकील के हालिया कृत्य पर अपनी गहरी पीड़ा और अस्वीकृति व्यक्त की है। इस वकील ने असंयमित हावभाव से भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश और उनके साथी न्यायाधीशों के पद और अधिकार का अनादर करने का प्रयास किया।

एससीओएआरए ने घटना पर क्या कहा- एक पत्र में कहा गया कि यह व्यवहार कानूनी पेशे की गरिमा के विपरीत है और मर्यादा, अनुशासन और संस्थागत अखंडता के संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के किसी कार्यरत न्यायाधीश को बदनाम करने का कोई भी प्रयास या उनके विरुद्ध कोई व्यक्तिगत कृत्य/अभिव्यक्ति न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है और न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास को कमजोर करता है।

सीजेआई की प्रतिक्रिया आई सामने- सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई पर हमले की कोशिश करने वाले व्यक्ति पर चीफ जस्टिस बी आर गवई ने कहा कि ये बातें मुझे प्रभावित नहीं करतीं।

## सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। लेह हिंसा के बाद सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने आज मामले पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।

सोनम वांगचुक को लेह हिंसा के बाद 26 सितंबर को हिरासत में लिया गया था। सोनम वांगचुक पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और उन्हें जोधपुर जेल भेजा गया है। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस- सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया ने मामले पर सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के प्रशासन को नोटिस जारी किया है। जवाब दाखिल करने के लिए अदालत ने 14 अक्टूबर तक का समय दिया है।

कोर्ट में गीतांजलि का पक्ष रखते वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने गिरफ्तारी के कारणों पर सवाल खड़े किए हैं। कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि सोनम की गिरफ्तारी की वजह साफ नहीं की गई थी।

## पश्चिम बंगाल में बीजेपी सांसद पर हमला, सिर में चोट से हुए लहूलुहान; भीड़ ने गाडियां भी तोड़ीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू पर जानलेवा हमला हुआ है। हमले में बीजेपी नेता बुरी तरह से घायल हो गए हैं। उनके सिर में गंभीर चोट आई है, जिससे उनका पूरा चेहरा लहूलुहान हो गया है।

यह घटना उत्तरी बंगाल में स्थित मालदा के नागराकाटा की है। बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू का काफिला गुजर रहा था। तभी भीड़ ने उनपर पत्थर, चप्पल, जूते और लाठी-डंडे बरसाने शुरू कर दिए। इस दौरान खगेन के सिर पर चोट आई, लेकिन विधायक शंकर घोष बाल-बाल बच गए।

टीएमसी पर लगाए आरोप- बीजेपी विधायक शंकर घोष ने हमले के लिए ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को दोषी ठहराया है। शंकर घोष का कहना है कि यह हमला टीएमसी की सोची-समझी साजिश है। मगर, इस तरह के हमलों से बीजेपी के सेवा कार्य नहीं रोके जा सकते हैं।

घायल बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने भी घटना का वीडियो शेयर करते हुए टीएमसी पर निशाना साधा है। अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, बंगाल में टीएमसी का जंगल राज है। बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू, जो उत्तरी मालदा से 2 बार सांसद बने हैं, टीएमसी के गुंडों ने उनपर हमला कर दिया।

## स्कूल में नहीं हो अब..., कर्मचारी ने सिरदर्द के कारण मांगी छुट्टी; मैनेजर का जवाब देखकर लोग रह गए दंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर एक भारतीय मैनेजर और कर्मचारी की व्हाट्सएप चैट वायरल हो रही है, जिसमें मैनेजर ने सिरदर्द की शिकायत करने वाले कर्मचारी को छुट्टी देने से साफ इनकार कर दिया। यह पोस्ट Reddit पर My Manager When I Ask For A Leave टाइटल से शेयर की गई है, जिसे हजारों लोगों ने देखा और कमेंट किया।

कर्मचारी ने कैप्शन में लिखा, सिरदर्द में काम कैसे किया जा सकता है? पोस्ट के साथ साझा किए गए स्क्रीनशॉट में मैनेजर बार-बार कह रहा है कि कर्मचारी को दवा लेकर ऑफिस आना चाहिए, भले ही उसे सिरदर्द हो।

क्या है चैट में- चैट के अनुसार, कर्मचारी ने लिखा कि उसे तेज सिरदर्द है और वह छुट्टी लेना चाहता है। इस पर मैनेजर ने जवाब दिया, दवा लो और आओ। कुछ नहीं है ठीक हो जाएगा। ये बस सिरदर्द है।

इस पर कर्मचारी ने जवाब दिया, मैं डोलो लेता हूं और देखता हूं। थोड़ी देर के बाद उसने बताया कि सिरदर्द अब भी जारी है, लेकिन मैनेजर ने दोबारा दबाव डालते हुए लिखा, दवा लो हीरो, सिरदर्द के लिए छुट्टी नहीं मिलती। अब तुम स्कूल में नहीं हो, कंपनी का हिस्सा हो।

यह चैट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। यूजर्स ने कर्मचारी के समर्थन में लिखा कि हर इंसान को बीमारी में छुट्टी लेने का हक है। एक यूजर ने लिखा, यह बहुत खराब है। तुम्हें बीमारी में छुट्टी लेने का अधिकार है। एक अन्य यूजर ने लिखा, याद रखो, कंपनी तुम्हें कभी भी बदल सकती है, इसलिए खुद पर इतना दबाव मत डालो।

## बच्चे गुफा में थे, आप कहां थे?, SC ने इजरायली व्यक्ति को लगाई फटकार; कर्नाटक की गुफा में मिली थी रूसी महिला और बच्चे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के गोकर्णा की गुफा में दो महीनों तक रह रही एक रूसी महिला और उसकी दो बेटियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कथित पिता को कड़ी फटकार लगाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि जब आपके बच्चे गुफा में रह रहे थे, तब आप क्या कर रहे थे।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। अदालत ने यह भी कहा कि भारत अब किसी के भी आने और बस जाने की जगह बन गया है। बता दें, 11 जुलाई को निना कुटिना जो रूस की नागरिक है, वो अपनी दो बेटियों के साथ रामतीर्थ पहाड़ियों की एक गुफा में रहती मिली थी।

रूसी दूतावास ने जारी किए दस्तावेज- स्थानीय अधिकारियों के अनुसा, यह परिवार लगभग दो महीने से गुफा में रह रहा था और उनके पास वैध यात्रा दस्तावेज नहीं थे। बाद में रूसी दूतावास ने निना कुटिना और उनकी बेटियों के लिए आपातकालीन यात्रा दस्तावेज जारी किए ताकि वे अपने देश लौट सके।

इस बीच, इजरायल के नागरिक डॉर श्लोमो गोल्डस्टीन ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की और दावा किया कि वह दोनों बच्चियों के पिता हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि बच्चियों को फिलहाल रूस न भेजा जाए। गोल्डस्टीन ने बताया कि उन्होंने पिछले साल गोवा के पणजी पुलिस स्टेशन में अपने बच्चों के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने याचिका की खारिज- कर्नाटक हाईकोर्ट ने गोल्डस्टीन की याचिका खारिज कर दी और केंद्र सरकार को मां और बेटियों को वापसी की अनुमति दी। अदालत ने कहा कि निना कुटिना खुद रूस लौटना चाहती हैं और गोल्डस्टीन यह स्पष्ट नहीं कर सके कि बच्चे गुफा में क्यों रह रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी- मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने पूछा, आपका क्या अधिकार है? आप कौन हैं? कोई आधिकारिक दस्तावेज दिखाइए जो साबित करे कि आप पिता हैं? न्यायमूर्ति बागची ने टिप्पणी की कि यह सिर्फ पब्लिसिटी के लिए दायर याचिका लगती है। अंत में अदालत ने गोल्डस्टीन को अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दी और टिप्पणी की कि यह देश अब किसी के भी आने और रहने की जगह बन गया है।

## पाकिस्तान को JF-17 का इंजन बेचने पर भारत को होगा फायदा..., रूसी विशेषज्ञों के दावे की पीछे क्या है तर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस पर पाकिस्तान के लड़ाकू विमान जेएफ-17 के लिए आरडी-93 इंजन बेचने का आरोप लगा है। इसे लेकर सियासी खेमें में भी हलचल मच गई है। विपक्ष सरकार पर सवाल खड़े कर रहा है, तो सत्ताधारी पार्टी के नेताओं ने रूस का हवाला देते हुए इन खबरों को झूठा बताया है। हालांकि, रूसी एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह भारत के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है।

रक्षा मामले की जानकारी रखने वाले रूस के कई विशेषज्ञों का दावा है कि अगर रूस पाकिस्तान के लड़ाकू विमान को इंजन देगा, तो इससे भारत का ही फायदा होगा। ऐसे में भारत को इसका विरोध नहीं करना चाहिए।

भारत को होंगे 2 बड़े फायदे- समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत के दौरान रक्षा विशेषज्ञ प्योत्र तोपीचकानोव ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यहां रूस की आलोचना करना सही होगा। अगर रूस के द्वारा जेएफ-17 को इंजन देने की रिपोर्ट सच है, तो यह भारत के लिए 2 तरीकों से फायदेमंद है। प्योत्र के अनुसार, पहली बात, चीन और पाकिस्तान मिलकर भी रूसी इंजन का तोड़ नहीं ढूंढ पाए हैं, तभी पाकिस्तान चीनी लड़ाकू विमानों के लिए रूस से इंजन खरीद रहा है।

प्योत्र ने आगे कहा, दूसरी बात, मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ जेएफ-17 लड़ाकू विमानों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। ऐसे में अगर पाक के फाइटर जेट्स में रूसी इंजन होगा, तो भारत इससे काफी हद तक वाकिफ होगा। इससे भारत न सिर्फ पाकिस्तान की क्षमताओं का, बल्कि उसके अगले दांव का भी आसानी से अंदाजा लगा सकेगा।

तकनीकी ट्रांसफर पर होगी रोक- एक अन्य एक्सपर्ट का दावा है कि रूस ने भारत को भरोसा दिलाया है RD-93 इंजन की डील पूरी तरह से कमर्शियल होगी और इसमें पाकिस्तान के साथ तकनीकी का लेन-देन नहीं होगा। हालांकि, भारत को दिए जाने वाले RD-33 इंजन पर रूस ने तकनीकी ट्रांसफर को मंजूरी दे रखी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

# हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।


मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

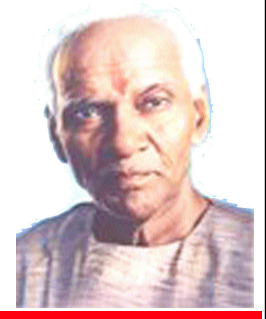

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पूर्णिमा

## संपादकीय

# अमेरिका ब्रिटेन, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों मेंअनक्लेमड मनी अथॉरिटी जैसी संस्थाएं वर्षों से सक्रिय हैं..

अमेरिका ब्रिटेन, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों मेंअनक्लेमड मनी अथॉरिटी जैसी संस्थाएं वर्षों से सक्रिय हैं।वे निष्क्रिय खातों का डेटा केंद्रीकृत रखती हैं और नागरिकों को ऑनलाइन जांच की सुविधा देती हैं। 4 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय वित्तमंत्री ने भी एक ऐतिहासिक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया जो इसी मॉडल को भारतीय सामाजिक और डिजिटल संदर्भ में आगे बढ़ा रहा है।यह अभियान भारत को वैश्विक वित्तीय समावेशन (ग्लोबल फाइनेंसियल इन्क्लूशन) का अग्रणी राष्ट्र बना सकता है।भारत की बैंकिंग व्यवस्था में आज लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपये बिना दावे या अनक्लेम्ड के रूप में पड़े हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह वह पूंजी है जो लाखों नागरिकों की मेहनत की कमाई थी, परंतु किसी न किसी कारणवश वह अपने मालिकों तक वापस नहीं पहुँच पाई। इनमें ऐसे खाते भी हैं जिनके धारक का निधन हो गया,कोई देश छोड़कर चला गया, किसी को अपने खाते की जानकारी या दस्तावेज़ नहीं मिल रहे, या कोई व्यक्ति अपनी जमा राशि को भूल चुका है।इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य बैंकों, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड हाउसों, एनपीएस, और अन्य वित्तीय संस्थानों में बिना दावे की पड़ी लगभग 1.84 लाख करोड़ रूपए की संपत्तियों को उनके असली मालिकों या उनके कानूनी उत्तराधिकारियों तक पहुँचाना है।भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुसार, इन निधियों का बड़ा हिस्सा बचत खातों, सावधि जमाओं,बीमा पॉलिसियों, म्यूचुअल फंड्स, शेयरों, डाक योजनाओं और पेंशन खातों में वर्षों से निष्क्रिय पड़ा है।यह स्थिति न केवल वित्तीय प्रणाली की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि आम जनता और संस्थानों के बीच सूचना और पहुंच की कमी किस तरह आमदनी को निष्क्रिय बना देती है।वित्त मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कियह जनता का पैसा है, यह राष्ट्र की परिसंपत्ति नहीं। इसका हकदार वही है जिसने इसे अर्जित किया या उसके कानूनी वारिस।यह बयान न केवल वित्तीय समावेशन की भावना को पुष्ट करता है, बल्कि भारत की वित्तीय व्यवस्था में न्यायसंगत वितरण और पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा कदम है।

साथियों बात अगर हम समस्या का मूल कारण, निष्क्रिय खाते और प्रशासनिक जटिलताएं इसको समझने की करें तो, यह समझना आवश्यक है कि आखिर इतने बड़े पैमाने पर 1.84 लाख करोड़ रुपये कैसे अनक्लेम्ड रह गए। इसके पीछे कई सामाजिक और प्रशासनिक कारण हैं (1)मृत्यु के बाद वारिसों की अनभिज्ञता–बहुत से खाताधारक अपनी जमा राशि के वारिस तय नहीं करते या नामांकन नहीं जोड़ते। मृत्यु के बाद परिवार को इस खाते की जानकारी नहीं होती।(2) प्रवासन या पतापरिवर्तन–लाखों लोग विदेश चले गए या अपने पते बदल लिए। बैंक के पास अपडेट नहीं पहुंचने से खातों में संपर्क टूट गया। (3)दस्तावेजों की कमी–बहुत से लोग पासबुक एफडी रसीद, बीमा पॉलिसी नंबर जैसी जानकारी खो देते हैं।(4)सिस्टम की जटिलता–अलग-अलग संस्थानों की अलग-अलग प्रक्रियाएं होने से आम व्यक्ति भ्रमित रहता है। (5)तकनीकी जागरूकता का अभाव- ग्रामीण और बुजुर्ग वर्ग के लोग डिजिटल बैंकिंग या ऑनलाइन दावे की प्रक्रिया नहीं जानते।इन सभी कारणों ने मिलकर करोड़ों रुपये को निष्क्रिय कर दिया, जिससे बैंकों के पास ऐसी राशि जमा होती चली गई जो संभवतः किसी की है भी और किसी के पास नहीं भी।

# महर्षि वाल्मीकि

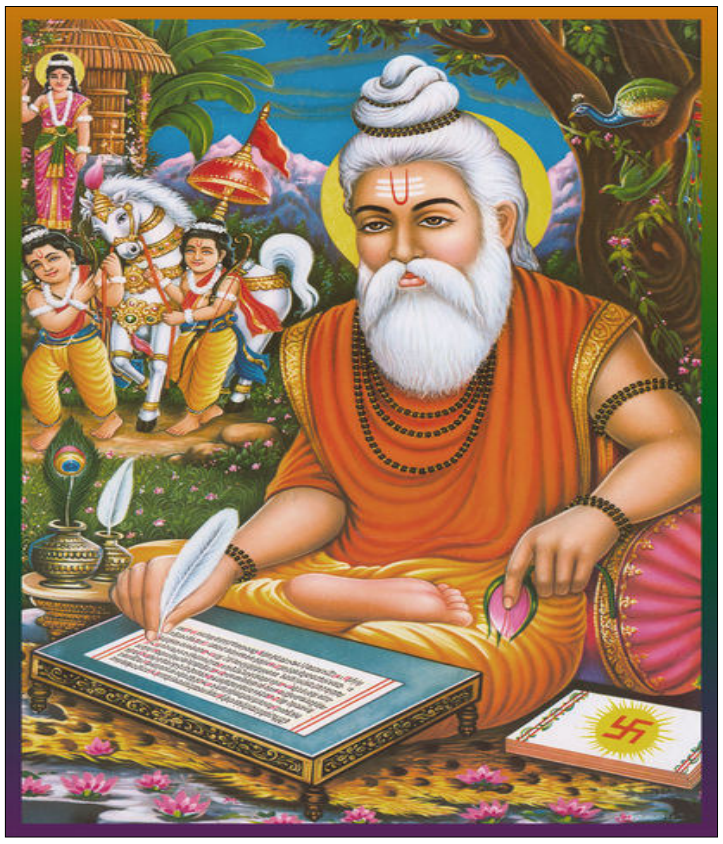

महर्षि वाल्मीकि संस्कृत भाषा के आदि कवि और हिन्दुओं के आदि काव्य रामायण के रचयिता के रूप में प्रसिद्ध है। महर्षि कश्यप और अदिति के नवम पुत्र वरुण (आदित्य) से इनका जन्म हुआ। इनकी माता चर्षणी और भाई भृगु थे। वरुण का एक नाम प्रचेत भी है, इसलिये इन्हें प्राचेतस् नाम से उल्लेखित किया जाता है। उपनिषद के विवरण के अनुसार ये भी अपने भाई भृगु की भांति परम ज्ञानी थे। एक बार ध्यान में बैठे हुए वरुण-पुत्र के शरीर को दीमकों ने अपना ढूह (बाँबी) बनाकर ढक लिया था। साधना पूरी करके जब ये दीमक-ढूह से जिसे वाल्मीकि कहते हैं, बाहर निकले तो लोग इन्हें वाल्मीकि कहने लगे।

तमसा नदी के तट पर व्याध द्वारा क्रौंच पक्षी के जोड़े में से एक को मार डालने पर वाल्मीकि के मुंह से व्याध के लिए शाप के जो उद्गार निकले वे लौकिक छंद में एक श्लोक के रूप में थे। इसी छंद में उन्होंने नारद से सुनी राम की कथा के आधार पर रामायण की रचना की। कुछ लोगों का अनुमान है कि हो सकता है, महाभारत की भांति रामायण भी समय-समय पर कई व्यक्तियों ने लिखी हो और अंतिम रूप किसी एक ने दिया हो और वह वाल्मीकि की शिष्य परंपरा का ही हो।

### वाल्मीकि डाकू

जिस वाल्मीकि के डाकू का जीवन बिताने का उल्लेख मिलता है, उसे रामायण के रचयिता से भिन्न माना जाता है। पौराणिक विवरण के अनुसार यह रत्नाकर नाम का दस्यु था और यात्रियों को मारकर उनके धन से अपना परिवार पालता था। एक दिन नारदजी भी इनके चक्कर में पड़ गए। जब रत्नाकर ने उन्हें भी मारना चाहा तो नारद ने पूछा-जिस परिवार के लिए तुम इतने अपराध करते हो, क्या वह तुम्हारे पापों का भागीदार बनने को तैयार है ? रत्नाकर नारद को पेड़ से बांधकर इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए घर गया। वह यह जानकर स्तब्ध रह गया कि परिवार का कोई भी व्यक्ति उसके पाप का भागीदार बनने को तैयार नहीं है। लौटकर उसने नारद के चरण पकड़ लिए और डाकू का जीवन छोड़कर तपस्या करने लगा। इसी में उसके शरीर को दीमकों ने अपना घर बनाकर ढक लिया, जिसके कारण यह भी वाल्मीकि के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

### मरा या राम

एक अन्य विवरण के अनुसार इनका नाम अग्निशर्मा था और इन्हें हर बात उलटकर कहने में रस आता था। इसलिए ऋषियों ने डाकू जीवन में इन्हें मरा शब्द का जाप करने की राय दी। तेरह वर्ष तक मरा रटते-रटते यही राम हो गया। बिहार के चंपारन ज़िले का भैंसा लोटन गांव वाल्मीकि का आश्रम था जो अब वाल्मीकि नगर कहलाता है।

### कथा

महर्षि वाल्मीकि पहले का नाम रत्नाकर था। इनका जन्म पवित्र ब्राह्मण कुल में हुआ था, किन्तु डाकुओं के संसर्ग में रहने के कारण ये लूट-पाट और हत्याएँ करने लगे और यही इनकी आजीविका का साधन बन गया। इन्हें जो भी मार्ग में मिल जाता, ये उसकी सम्पत्ति लूट लिया करते थे। एक दिन इनकी मुलाक़ात देवर्षि नारद से हुई। इन्होंने नारद जी से कहा कि तुम्हारे पास जो कुछ है, उसे निकालकर रख दो! नहीं तो जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। देवर्षि नारद ने कहा- मेरे पास इस वीणा और वस्त्र के अतिरिक्त है ही क्या? तुम लेना चाहो तो इन्हें ले सकते हो, लेकिन तुम यह क्रूर कर्म करके भयंकर पाप क्यों करते हो? देवर्षि की कोमल वाणी सुनकर वाल्मीकि का कठोर हृदय कुछ द्रवित हुआ। इन्होंने कहा- भगवान्! मेरी आजीविका का यही साधन है। इसके द्वारा मैं अपने परिवार का भरण-पोषण करता हूँ। देवर्षि बोले- तुम जाकर पहले अपने परिवार वालों से पूछकर आओं कि वे तुम्हारे द्वारा केवल भरण-पोषण के अधिकारी हैं या तुम्हारे पाप-कर्मों में भी हिस्सा बटायेंगे। तुम्हारे लौटने तक हम कहीं नहीं जायँगे। यदि तुम्हें विश्वास न हो तो मुझे इस पेड़ से बाँध दो। देवर्षि को पेड़ से बाँध कर ये अपने घर गये। इन्होंने बारी-बारी से अपने कुटुम्बियों से पूछा कि तुम लोग मेरे पापों में भी हिस्सा लोगे या मुझ से केवल भरण-पोषण ही चाहते हो। सभी ने एक स्वर में कहा कि हमारा भरण-पोषण तुम्हारा कर्तव्य है। तुम कैसे धन लाते हो, यह तुम्हारे सोचने का विषय है। हम तुम्हारे पापों के हिस्सेदार नहीं बनेंगे। अपने कुटुम्बियों की बात सुनकर वाल्मीकि के हृदय में आघात लगा। उनके ज्ञान नेत्र खुल गये। उन्होंने जल्दी से जंगल में जाकर देवर्षि के बन्धन खोले और विलाप करते हुए उनके चरणों में पड़ गये। नारद जी ने उन्हें धैर्य बँधाया और राम-नाम के जप का उपदेश दिया, किन्तु पूर्वकृत भयंकर पापों के कारण उनसे राम-नाम का उच्चारण नहीं हो पाया। तदनन्तर नारद जी ने सोच-समझकर उनसे मरा-मरा जपने के लिये कहा।

भगवान्नाम का निरन्तर जप करते-करते वाल्मीकि अब ऋषि हो गये। उनके पहले की क्रूरता अब प्राणिमात्र के प्रति दया में बदल गयी। एक दिन इनके सामने एक व्याध ने क्रौंच पक्षी के एक जोड़े में से एक को मार दिया, तब दयालु ऋषि के मुख से व्याध को शाप देते हुए एक श्लोक निकला। वह संस्कृत भाषा में लौकिक छन्दों में प्रथम अनुष्टुप छन्द का श्लोक था। उसी छन्द के कारण वाल्मीकि आदिकवि हुए। इन्होंने ही रामायण रूपी आदिकाव्य की रचना की। वनवास के समय भगवान श्री राम ने स्वयं इन्हें दर्शन देकर कृतार्थ किया। सीता जी ने अपने वनवास का अन्तिम काल इनके आश्रम पर व्यतीत किया। वहीं पर लव और कुश का जन्म हुआ। वाल्मीकि जी ने उन्हें रामायण का गान सिखाया। इस प्रकार नाम-जप और सत्संग के प्रभाव से वाल्मीकि डाकू से ब्रह्मर्षि हो गये।

# US को झटका देकर भारत आ रही 140 साल पुरानी दवा कंपनी, 8800 करोड़ का खेलेगी दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। फार्मा सेक्टर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के 100 फीसदी टैरिफ बम का असर दिखने लगा है। अमेरिकी कंपनियां देश छोड़कर विदेशों का रुख करने लगी हैं। जिसका सीधा फायदा भारत को हो सकता है। दरअसल, अमेरिका की बड़ी दवा कंपनियों में शुमार एलि लिली ने सोमवार को ऐलान किया कि वह भारत में 1 बिलियन डॉलर (करीब 8800 करोड़ रुपए) का निवेश करने जा रही है।

यह निवेश आने वाले कुछ सालों में नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और क्वालिटी फैसिलिटी के लिए किया जाएगा। कंपनी का यह कदम ऐसे समय आया है, जब ट्रंप फार्मा सेक्टर पर टैरिफ बम गिराने की तैयारी में हैं। ऐसे में एलि लिली का भारत रुख, मेक इन इंडिया अभियान को बड़ा बूस्टर देने वाला साबित हो सकता है।

Eli Lilly के मुताबिक, यह निवेश कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करेगा और दुनियाभर के मरीजों तक मोटापे, डायबिटीज, अल्जाइमर, कैंसर और ऑटोइम्यून बीमारियों की दवाएं पहुंचाने में मदद करेगा।

यह निवेश भारत के हेल्थकेयर सेक्टर को ग्लोबल लेवल पर नई पहचान देने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

140 साल पुरानी है कंपनी, 47000 कर्मचारी काम करते हैं- Eli Lilly अमेरिका की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है और इसकी गिनती टॉप-5 बड़ी कंपनियों में होती है। इसका मार्केट कैप 795 बिलियन डॉलर यानी करीब 70 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है।

140 साल पुरानी कंपनी के 18 देशों में ऑफिस हैं और करीब 125 देशों में दवाएं सप्लाई करती है। कंपनी के पास करीब 47,000 कर्मचारियों का वर्क फोर्स है।

कंपनी को भाया इंडियन टैलेंट और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर- एलि लिली ने कहा कि भारत में निवेश करने का फैसला देश की कुशल टैलेंट, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और सरकार की बिजनेस फ्रेंडली नीतियों पर भरोसे को दिखाता है। कंपनी भारत को अपने वैश्विक हेल्थकेयर नेटवर्क का बड़ा केंद्र बनाना चाहती है।

Eli Lilly का निवेश भारत की क्षमता और नीतिगत स्थिरता पर उनके भरोसे को दर्शाता है। यह न केवल हेल्थकेयर को मजबूत करेगा, बल्कि देश में मैन्युफैक्चरिंग को भी गति देगा।

## रॉकेट की स्पीड से भाग रहा है सोना, 1,20,000 रुपये पहुंची कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोना रॉकेट की स्पीड से भाग रहा है। सोने की कीमत में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। कई समय से ये कहा जा रहा था कि सोने का दाम 1,20,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार जा सकता है।आज सोमवार को सोने का दाम 1,20,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है।

दोपहर 2.34 बजे 24 कैरेट सोने की कीमत में 1780 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी देखी गई है। अभी 10 ग्राम सोने का दाम 119,893 रुपये चल रहा है।

दोपहर 3.16 बजे 24 कैरेट सोने की कीमत 119,868 रुपये प्रति 10 ग्राम चल रहा है। सोने में अभी 1755 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी है। सोने ने अब तक 118,900 रुपये प्रति 10 ग्राम का लो रिकॉर्ड और 120,075 रुपये प्रति 10 ग्राम का हाई रिकॉर्ड बनाया है। पटना में सोने की कीमत सबसे कम है। यहां 10 ग्राम सोने की कीमत 119,660 रुपये चल रही है। वहीं इंदौर में सोने का दाम सबसे ज्यादा है। यहां 10 ग्राम सोने की कीमत 119,900 रुपये चल रही है। अगर चांदी की बात करें तो पटना में चांदी सबसे सस्ती मिल रही है। यहां 1 किलो चांदी की कीमत 147,390 रुपये की मिल रही है। वहीं सबसे महंगी चांदी इंदौर में है। यहां 1 किलो चांदी का भाव 147,650 रुपये चल रहा है।

## करेंसी नोटों से 4 जीरो हटाएगा ये देश, 10000 वाला सामान 1 में मिलेगा; महंगाई ने कर दिया मजबूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या हो अगर कल से 500 रुपये के नोट से जो जीरो हट जाएं और वो 5 रुपये का हो जाए, मगर उससे आप वही सामान खरीद सकें, जो 500 रुपये के नोट से खरीदते थे। होगा न ये बहुत अजीब। ईरान कुछ ऐसा ही करने जा रहा है।

दरअसल ईरान की संसद ने रविवार 5 अक्टूबर 2025 को अपनी राष्ट्रीय मुद्रा रियाल से 4 जीरो हटाने से जुड़ा बिल पास कर दिया। इस समय एक अमेरिकी डॉलर 1,150,000 ईरानी रियाल के बराबर है। ईरानी रियाल से चार जीरो हटाने का मतलब होगा कि अब एक अमेरिकी डॉलर 115 ईरानी रियाल के बराबर होगा। ईरान ने मॉनेटरी एंड बैंकिंग लॉ में संशोधन करने वाले विधेयक को पारित कर दिया, जिसके पक्ष में 144 और विपक्ष में 108 मत पड़े।

क्यों लिया गया ये फैसला- बढ़ती महंगी को देखते हुए फाइनेंशियल लेन-देन को आसान बनाने और बैंक नोटों की एफिशिएंसी में सुधार लाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह सुधार मौद्रिक और बैंकिंग कानून में संशोधन करके रियाल को 10,000 मौजूदा रियाल के बराबर परिभाषित करता है और एक नई सब-यूनिट, किरन या घेरन, जो एक रियाल के सौवें हिस्से के बराबर है, की शुरुआत करता है।

दोनों मुद्राएं चलती रहेंगी- नए नियम के तहत, पुराने और नए दोनों रियाल एक ट्रांजिशन पीरियड के दौरान अधिकतम 3 वर्षों तक सर्कुलेशन में रहेंगे। ईरान के केंद्रीय बैंक (सीबीआई) को अधिनियमन के 2 वर्षों के भीतर ऑपरेशनल प्रोसीजर्स स्थापित करनी होंगी और आधिकारिक मीडिया के जरिए इस बदलाव की शुरुआत की पब्लिक घोषणा करनी होगी।

## नए समाधान और ईमानदार व्यापार से किसानों की मदद करने में पतंजलि क्या भूमिका निभा रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था में खेती हमेशा से बहुत महत्वपूर्ण रही है। करोड़ों किसान अपनी रोज़ी-रोटी के लिए खेती पर निर्भर हैं। लेकिन किसानों के लिए यह रास्ता आसान नहीं है। उन्हें कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जैसे संसाधनों की कमी, फसल के दामों में उतार-चढ़ाव, आधुनिक खेती की जानकारी की कमी और बिचौलियों द्वारा शोषण। इन सब कारणों से किसान अच्छी जिंदगी नहीं जी पाते। पतंजलि आयुर्वेद लगातार किसानों का समर्थन करता आया है।

यह संस्थान न सिर्फ उपभोक्ताओं की सेहत का ध्यान रखती है, बल्कि किसानों की उन्नति के लिए भी काम करती है, वो भी नए तरीकों और ईमानदार व्यापार के ज़रिए। पतंजलि कोशिश करता है कि ज़्यादा से ज़्यादा काम किसानों के हित को ध्यान में रखकर किया जाये ताकि खेती में पारदर्शिता और टिकाऊपन बना रहे।किसानों को जैविक और टिकाऊ खेती की ओर प्रेरित करना

पतंजलि की एक बड़ी पहल है- जैविक खेती को बढ़ावा देना। रिसर्चगेट में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक़, पतंजलि किसानों को प्राकृतिक और जैविक तरीकों से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। इसमें किसानों को ट्रेनिंग देना, जैविक खाद, कंपोस्ट, और प्राकृतिक कीटनाशकों जैसी चीजें उपलब्ध कराना शामिल है। इससे न केवल किसान पर्यावरण के अनुकूल खेती कर पाते हैं।

# सुरंग बोरिंग मशीन की बढ़ती मांग के बीच जर्मनी की ये कंपनी भारत में खोल रही प्लांट, 12.4 एकड़ की खरीदी जमीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुरंग परियोजनाओं में प्रयुक्त होने वाली सुरंग बोरिंग मशीनों (टीबीएम) के विनिर्माण में वैश्विक अग्रणी जर्मनी की हेरेनक्नेच्ट, एक नए विनिर्माण संयंत्र के साथ चेन्नई में अपने परिचालन का विस्तार कर रही है।

यह विस्तार देश भर में नियोजित कई सुरंग निर्माण परियोजनाओं के कारण हो रहा है, जिससे टीबीएम की भारी मांग बढ़ रही है। वर्तमान में, देश में कार्यरत कई टीबीएम चीन, अमेरिका और जर्मनी सहित अन्य देशों से हैं।

हेरेनक्नेच्ट 2007 में चेन्नई में अपनी टीबीएम असेंबली सुविधा स्थापित करने वाली पहली कंपनी थी। बिजनेसलाइन को पता चला है कि अब इसकी योजना उत्तरी चेन्नई में 12.4 एकड़ में एक विनिर्माण संयंत्र स्थापित करके शहर में विस्तार करने की है।

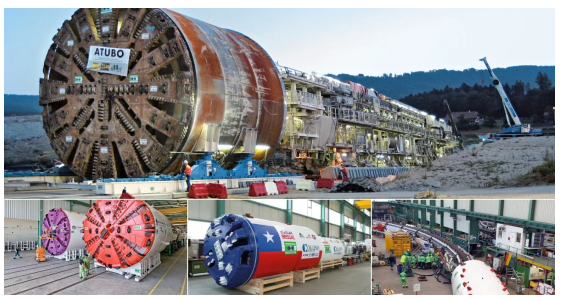


रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक पोस्ट में कहा गया है कि जेएलएल इस भूमि अधिग्रहण में हेरेनक्नेच एजी इंडिया की विशेष सलाहकार थी।

सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने कन्निगईपर में 4.05 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की लागत से जमीन का अधिग्रहण किया, जिसका कुल मूल्य 50.22 करोड़ रुपये है।

हाल ही में, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की जर्मनी यात्रा के दौरान, तमिलनाडु में कंपनी के विस्तार के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के वरिष्ठ इंजीनियर अमरेन्द्र श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगले दशक के लिए 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सुरंग परियोजनाओं की योजना बनाई गई है।

वर्तमान में, भारत लगभग सभी टीबीएम आयात करता है और घरेलू मांग पूरी तरह से विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से पूरी की जाती है।

## स्टॉक स्प्लिट और 1 पर दस Bonus Share का एलान, खरीद लिया तो एक शेयर के हो जाएंगे 100

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्माण एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड ने स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर का एलान किया है। स्प्लिट रेशियो प्रत्येक 10 रुपये मूल्य वाले एक इक्विटी शेयर को 1 रुपये वाले 10 शेयरों में विभाजित करने का प्रस्ताव मंजूर किया है। इस सब-डिविजन के लिए रिकॉर्ड डेट कंपनी बाद में घोषित करेगी। 10 रुपये

बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने की भी मंजूरी दी है। शेयरधारकों को 10:1 के अनुपात में बोनस शेयर यानी 1 शेयर पर 10 बोनस शेयर दिए जाएंगे। ये बोनस शेयर कंपनी के सिक्योरिटीज प्रीमियम अकाउंट या फ्री रिजर्व्स से जारी किए जाएंगे। यह निर्णय शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन रहेगा। बोनस शेयरों की रिकॉर्ड डेट भी कंपनी शीघ्र ही घोषित करेगी।

अधिकृत पूंजी में वृद्धि

बोनस शेयरों के निर्गम को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने अपनी अधिकृत पूंजी 15 करोड़ से बढ़ाकर 90 करोड़ करने का निर्णय लिया है। अब कंपनी की अधिकृत पूंजी 90,00,00,000 होगी, जो 9,00,00,000 इक्विटी शेयरों में विभाजित होगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

# ATM Fraud का नया तरीका, पहले फेवीकोल लगाकर सेंसर जाम करते, फिर मदद के बहाने कार्ड बदलते

भिंड। ऊमरी थाना पुलिस ने सोमवार को एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले अंतराज्जीय गैंग का खुलासा करते हुए चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों से अलग-अलग बैंकों के 54 एटीएम कार्ड, 1.63 लाख नगद और एक बोलेरो कार जब्त की गई है। आरोपितों ने भिंड, मुरैना सहित कई जिलों 30 से अधिक वारदातें करना स्वीकार कियाा है। पकड़े गए आरोपित उप्र के फिरोजबाद जिले के मटसेना के रहने वाले हैं। इसमें तीन सगे भाई हैं।

**ऐसे पकड़े गए आरोपी**–सोमवार को यह बात ऊमरी थाने में आयोजित प्रेसवार्ता में डीएसपी दीपक तोमर ने कही। इस दौरान अटेर एसडीओपी रविंद्र वास्कले, ऊमरी थाना टीआइ शिवप्रताप सिंह राजावत, बरोही थाना प्रभारी अतुल भदौरिया, साइबर सैल प्रभारी वैभव तोमर और एएएसआइ सत्यवीर सिंह मौजूद रहे। डीएसपी तोमर ने बताया कि 15 सितंबर 2025 को फरियादी राजकुमार जाटव पुत्र विनोद जाटव निवासी सींगपुरा पांडरी रोड स्थित यूको बैंक के एटीएम में रुपये निकालने के लिए आए थे। राजकुमार ने मशीन में कार्ड लगाया तो वहां पहले से खड़े दो-तीन लोगों ने मदद के नाम पर उसका कार्ड बदल लिया और अकाउंट से 36 हजार रुपये निकाल लिए। राजकुमार को जब अकाउंट से रुपये निकलने का पता चला तो उसने अपना एडीएम कार्ड देखा तो वह बदला हुआ था। इसके बाद उसने ऊमरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। घटना को एसपी डॉ. असित यादव ने गंभीरता से लिया और ऊमरी टीआइ के अलावा बरोही और साइबर सेल टीम को मामले का खुलासा करने और आरोपितों को पकड़ने के लिए निर्देश दिए। डीएसपी तोमर ने बताया कि कुछ समय पहले ऊमरी टीआइ ने जनसहयोग से कस्बे में सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे।

**संदिग्ध बोलेरो से मिला सुराग**–घटना के बाद करवा ऊमरी क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों में एक बोलेरो संदिग्ध रूप से घूमती नजर आई। मुखबिर की सूचना पर 5 अक्टूबर को पुलिस ने लहार रोड स्थित वीरेंद्र ढाबा के पास से घेराबंदी कर बोलेरो को पकड़ा। बोलेरो में बैठे चारों व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इन्होंने अपने नाम राजेश राठौर पुत्र जयपाल राठौर, अवधेश राठौर पुत्र जयपाल राठौर, बाबूजी राठौर पुत्र जयपाल राठौरनिवासी ग्राम इटोरा थाना मटसेना जिला फिरोजाबाद और रवि वर्मा उर्फ निषाद पुत्र रामसेवक निवासी ग्राम रूपवास थाना मटसेना जिला फिरोजाबाद (उप्र) बताए। जिन्होंने एटीएम कार्ड बदलने की वारदात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपितों से विभिन्न बैंकों के 54 एटीएम कार्ड, एक लाख 63 हजार रुपये नगद और बोलेरो जब्त की।

**ऐसे करते थे वारदात**–पूछताछ में गिरोह के मास्टर माइंड ने बताया कि वह वारदात के लिए ग्रामीण क्षेत्र चुनते थे। वारदात से पहले वह एटीएम में जाकर कार्ड में लगी चिप पर फेबीकोल डालकर उसे मशीन के अंदर चार-पांच बाहर अंदर-बाहर करते। फेवीकोल जैसे ही मशीन के अंदर लगे सेंसर में लगता वैसे ही एटीएम मशीन एक से डेढ़ घंटे के लिए काम करना बंद कर देती। इसी दौरान कोई एटीएम में रुपये निकालने आता तो वह भी जल्द रुपये निकालने की बात करने लगते। हड़बड़ी में रुपये निकालने वाला व्यक्ति जल्दी-जल्दी प्रोसेसिंग करता। इसी दौरान मदद के नाम पर उसका कार्ड लेकर बदल लेते और संबंधित से मशीन खराब होने की बात कहकर वहां से चले जाते। इसके बाद वह नजदीक के एटीमएम में जाकर संबंधित के कार्ड से रुपये निकालकर वहां से फिरोजबाद भाग जाते थे। भिंड-मुरैना में ही 15 वारदात स्वीकार की

डीएसपी तोमर ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उन्होंने भिंड शहर, मेहगांव, गोरमी, मिहोना, मुरैना, पोरसा, अंबाह, धौलपुर (राजस्थान), मैनपुरी, इटावा, ऐटा, आगरा, फिरोजाबाद, कानपुर, औरैया सहित कई स्थानों पर 30 से ज्यादा घटनाएं की हैं। इनमें से 15 घटनाओं में अपराध दर्ज हैं। कार्रवाई में टीआइ ऊमरी के अलावा थाना प्रभारी बरोही अतुल मदौरिया, साइबर सेल प्रभारी वैभव तोमर, एसआइ ध्यानेंद्र यादव, एएसआइ सत्यवीर सिंह, हवलदार प्रमोद पाराशर, महेश कुमार, सोनेंद्र राजावत, त्रिवेन्द्र सिंह, आरक्षक आनंद दीक्षित, राहुल यादव, हरपाल चौहान आदि का विशेष योगदान रहा।

# शादी से पहले लड़की के घरवालों ने छुपाया बड़ा राज, हाई कोर्ट ने बहू और रिश्तेदारों को भेजा नोटिस

ग्वालियर। शादी से पहले उम्र और बीमारी की जानकारी छिपाना अब वधू पक्ष के लिए कानूनी मुसीबत बन गया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने ऐसे ही एक मामले में वधू सीमा राजावत (परिवर्तित नाम), उसकी मां, बहन, जीजा और विवाह कराने वाले मध्यस्थ सहित सभी संबंधितों से जवाब तलब किया है और पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया जाए।

मामला ग्वालियर की पुष्कर कालोनी निवासी राधा भदौरिया (परिवर्तित नाम) द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। उन्होंने अपने अधिवक्ता अवधेश सिंह भदौरिया के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका प्रस्तुत की। याचिकाकर्ता के अनुसार, उनके पति एसएएफ ग्वालियर में सब इंस्पेक्टर पद पर पदस्थ हैं। उनके बेटे राम भदौरिया (परिवर्तित नाम) की शादी 19 जनवरी 2019 को खजुराहो निवासी सीमा राजावत से कराई गई थी। यह शादी डीआरपी लाइन ग्वालियर में पदस्थ राहुल सिंह भदौरिया (परिवर्तित नाम) (जो बहू के जीजा और विवाह के मध्यस्थ हैं) के माध्यम से तय हुई थी। शादी के समय वधू पक्ष ने सीमा की जन्मतिथि 1991 बताई थी, जबकि बाद में दस्तावेजों से पता चला कि उसकी वास्तविक जन्मतिथि 1988 है। इस प्रकार सीमा अपने पति से दो वर्ष बड़ी निकली।इसके अलावा याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि उनकी बहू डिप्रेशन की मरीज थी और शादी से पहले ही उसका इलाज ग्वालियर के न्यूरोलाजिस्ट डॉ. अरविंद गुप्ता के यहां चल रहा था। शादी के बाद भी उसका इलाज जारी रहा, और बीमारी के कारण उसका व्यवहार उग्र व असामान्य हो गया, जिससे परिवार का माहौल अशांत हो गया। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में थाना गोला का मंदिर और पुलिस अधीक्षक ग्वालियर को शिकायत दी, पर कार्रवाई न होने पर उन्होंने जिला न्यायालय में धोखाधड़ी का मामला दायर किया।

जिला न्यायालय ने याचिका यह कहते हुए निरस्त कर दी कि यह मामला निर्धारित समय सीमा के बाद दाखिल किया गया। हाई कोर्ट में अधिवक्ता अवधेश सिंह भदौरिया ने सुनवाई के दौरान तर्क दिया कि समय सीमा की गणना शादी की तारीख से नहीं, बल्कि अपराध की जानकारी मिलने की तारीख से की जानी चाहिए। याचिकाकर्ता को बहू की वास्तविक उम्र और बीमारी की जानकारी साल 2020 में मिली थी,

## आशीष खरे को बनाया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा, छह आईपीएस, राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के तबादले

भोपाल। पुलिस मुख्यालय में पदस्थ सहायक पुलिस महानिरीक्षक आशीष खरे अब छिंदवाड़ा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक होंगे। सरकार ने सोमवार को छह आईपीएस और राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के तबादले कर दिए।

इसमें अनु बेनिवाल एसडीओपी मनावर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर, सर्वप्रिय सिन्हा एसडीओपी बैरसिया को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंगरौली, आदित्य पटले सहायक पुलिस आयुक्त विजयनगर इंदौर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक छतरपुर, मंजीत सिंह चावला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा जोन इंदौर को सहायक पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय इंदौर ग्रामीण जोन पदस्थ किया है। वहीं, रश्मि धुर्वे डाबर सहायक पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन का इंदौर किया गया तबादला निरस्त कर पदस्थापना यथावत रखी गई है।

# दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर, हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद मिलेगा पेंशन लाभ

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने दैनिक वेतन भोगियों (दैवेभो) के हक में राहतकारी आदेश पारित किया। कोर्ट ने सौ से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई के बाद कहा कि दैवेभो ने 15 वर्ष से अधिक सेवा दी है, जिसे पेंशन में जोड़ा जाए।

कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार ने भले ही इन कर्मचारियों को दैनिक वेतनभोगी माना हो, लेकिन यदि उन्हें मासिक भुगतान मिलता रहा है, तो उनकी सेवा को अस्थाई आकस्मिक वेतनभोगी माना जाएगा। 15 वर्ष पूरे होने के बाद यह सेवा स्थाई आकस्मिक वेतनभोगी में बदल जाएगी, लेकिन यह लाभ केवल पेंशन के लिए मान्य होगा। उक्त प्रकरण दमोह के जल संसाधन विभाग में दैनिक वेतन भोगी के रूप में काम कर रहे राम विशाल पटेरिया सहित अन्य की ओर से दायर किए गए थे।

आवेदक राम विशाल पटेरिया ने कहा था कि वह पांच फरवरी 1978 से दैनिक वेतन भोगी के रूप में जल संसाधन विभाग में काम कर रहे हैं, जिस पर पेंशन का लाभ दिलाए जाने की मांग की गई थी।

कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है कि यह आदेश सिर्फ पेंशन के मुद्दे के लिए है। वेतन, प्रमोशन या सीनियरिटी जैसे मुद्दे को लेकर इस फैसले का उपयोग नहीं हो सकेगा। न्यायालय ने उक्त आदेश का पालन करने राज्य सरकार को 60 दिन का समय दिया है।

# सम्पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं एक साथ निःशुल्क वृहद स्वास्थ्य शिविर में

इंदौर। इंदौर संभाग के खरगोन जिले के सेगांव में पहली बार ऐसा अवसर आया, जहां न सिर्फ विशेषज्ञ चिकित्सक बल्कि अत्याधुनिक स्तर की मशीनों के द्वारा मरीजों की आवश्यक जांच के बाद उपचार हुआ, बल्कि क्षेत्र के आसपास ग्रामों के ऐसे नागरिक जो ठीक से जिला चिकित्सालय ईलाज के लिए पहुँच नहीं पाते थे, आज उनके पास इंदौर के विशेषज्ञ डॉक्टर स्वास्थ्य उपचार के लिए पहुँचे हैं। यह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर संभागायुक्त श्री सुदाम खाड़े की पहल पर आयोजित हुआ है। इंदौर संभाग में ऐसे शिविर नवम्बर माह तक जनजातीय व रिमोड क्षेत्रों में आयोजित होंगे। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशन में सेगांव स्थित देवी लालबाई फूल माता मंदिर के प्रांगण में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लगभग 450 से अधिक अमले ने इंदौर के चिकित्सकों के मार्गदर्शन में कार्य किया। सेगांव में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 3 हजार 743 मरीजों का पंजीयन किया गया।

इस अवसर पर सांसद श्री गजेंद्र सिंह पटेल ने सेगांव में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि एक ही स्थल पर दुआ और दवा दोनों सेवाओं का सुलभ होना समुदाय के लिए अत्यंत लाभकारी है। इससे लोगों को पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने इसे जनकल्याण की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया। इस अवसर पर सांसद श्री पटेल ने विकासखंड सेगांव के लिए मृत शरीरों के संरक्षण हेतु फ्रिज प्रदान किए जाने की घोषणा भी की।

इस स्वास्थ्य शिविर में विधायक श्री केदार डाबर ने चिकित्सकों से मुलाकात कर परिचय प्राप्त किया तथा स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने मरीजों से संवाद कर उन्हें मिल रही चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर विधायक श्री डाबर ने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर सेगांव एवं सीएमएचओ डॉ.सिसोदिया को निर्देश दिए कि ब्लॉक के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की जाए ताकि उनके समक्ष आने वाली समस्याओं को जानकर उनका समाधान किया जा सके। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि शिविर में विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक इस शिविर में उपस्थित हैं। आम नागरिक इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय पर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर स्वस्थ जीवन की आशा रखें।

सीएमएचओ डॉ.एम.एस. सिसोदिया ने बताया इस शिविर में इंदौर के शंकरा नेत्र हॉस्पिटल के अलावा अरविंदो अस्पताल के विशेषज्ञ, सेम्स महाविद्यालय, नंदकुमार सिंह चौहान मेडिकल कॉलेज, खंडवा, बुराहनपुर से आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, आल इज वेल हॉस्पिटल, खरगोन से विजयलक्ष्मी हॉस्पिटल आदि के चिकित्सकों ने मय टीम एवं आवश्यक उपकरणों/मशीनों के सहित लगन के साथ मरीजों का उपचार किया। डॉ. सिसोदिया ने बताया है कि स्वस्थ नारी सशक्त अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जिले में 3 लाख 85 हजार महिलाओं की स्क्रीनिंग की गई। विकासखंड सेगांव एक बड़ा क्षेत्र होने से इससे जुड़े लगभग 53 ग्रामों एवं अन्य जिलों की सीमा से लगे ग्रामों के लिए यह शिविर यहां लगाया जाना सुनिश्चित किया गया। शिविर में लगभग 20 से 25 विधाओं के चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी हैं। सीएमएचओ डॉ. सिसोदिया ने बताया कि शिविर में 52 बच्चों की इको जांच की गई। साथ ही 251 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें से 208 गर्भवती महिलाओं एवं 42 पुरुषों की सोनोग्राफी जांच की गई।

## एनएसटीआई (महिला)इंदौर में कौशल दीक्षांत समारोह 2025 का आयोजन

इंदौर। राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला) इंदौर में कौशल दीक्षांत समारोह 2025 का आयोजन गत दिवस सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में सांसद श्री शंकर लालवानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, आर.डी.एस.डी.ई. मध्यप्रदेश श्री डी.एल.मीना ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता सुश्री नैना नागपाल, उप निदेशक एवं प्राचार्य एनएसटीआई (महिला) इंदौर द्वारा की गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री मीना ने अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए प्रशिक्षुओं को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। सुश्री नागपाल ने अपने उद्बोधन में दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए स्किलिंग फॉर लाइफ की अवधारणा को रेखांकित किया। कौशल दीक्षांत समारोह 2025 में विभिन्न ट्रेड्स के सफल प्रशिक्षुओं एवं शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न भी प्रदान किये गये। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया जिसमें वर्तमान बैच की छात्राओं द्वारा भाग लिया गया।

## समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु पंजीयन 10 अक्टूबर तक

इंदौर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये किसान पंजीयन प्रक्रिया का निर्धारण कर दिया गया है। किसान 10 अक्टूबर तक पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन 15 सितम्बर से शुरू हो चुका है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। प्रदेश में 1255 पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं। पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर तथा एम.पी. किसान एप पर भी की गई है। पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। प्रति पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा।

किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान-पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा। सिकमी/बटाईदार/कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। उपार्जित फसल के भुगतान हेतु बैंक खाता किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और ढ्रस्सष्ट कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें। सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि जिला और तहसील स्तर पर स्थापित आधार पंजीयन केन्द्रों को क्रियाशील रखा जाए जिससे किसान वहां जाकर आसानी से अपना मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट करा सके। इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र का भी उपयोग किया जा सकता है।

## पश्चिम क्षेत्र में देर रात तक गूंजती रही डंडियों की झंकार

इंदौर। संस्कार संस्कृति को बचाने के साथ ही त्योहार और परंपराओं को जीवित रखना हम सब का दायित्व है इसके लिए हमें निरंतर पारंपरिक आयोजनों को बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए, यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे आयोजनों में फूहड़ता ना हो , हमारी संस्कृति का संरक्षण करना भी हम सब का दायित्व है।

यह बाते विश्व ब्राह्मण समाज संघ और हंस दास मठ द्वारा आयोजित परशु हंस गरबा महोत्सव में अतिथियों के द्वारा व्यक्त की गई। विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. योगेंद्र महंत ने बताया कि मां दुर्गा की महा आरती महामंडलेश्वर रामचरण दास जी एवं संत समाज और प्रबुद्ध जनों की अगुवाई में कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ रात 8बजे किया गया। आयोजन में 40 से ज्यादा अलग-अलग गरबा समूह ने अपनी प्रस्तुतियां दी है, जिसमें राजस्थानी मारवाड़ी गुजराती मालवी निमाड़ी आदि गरबा प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया।

## मुख्यमंत्री डॉ.यादव के निर्देश पर छिंदवाड़ा प्रकरण में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.प्रवीण सोनी निलम्बित

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिविल अस्पताल परासिया, जिला छिंदवाड़ा में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सोनी को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही डॉक्टर सोनी और दवा निर्माता कंपनी के विरुद्ध एफआईआर भी दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर कार्यवाही करते हुए आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी ने डॉ. प्रवीण सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। डॉ. सोनी द्वारा निजी प्रैक्टिस के दौरान उपचार के लिए आए शिशुओं के उपचार में गंभीर लापरवाही बरतने और अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से नहीं करने के परिणामस्वरूप, मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) के अंतर्गत यह कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय है कि डॉ. सोनी द्वारा निजी प्रैक्टिस के दौरान शिशुओं को ऐसी दवाइयां पर्चे पर लिखी गई, जिसका सेवन करने के बाद शिशुओं को तेज बुखार और पेशाब में कठिनाई हुई तथा शिशुओं की किडनी पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इससे कुछ बच्चों की दुःखद मृत्यु हो गई। निलंबन काल में डॉ. सोनी का मुख्यालय, कार्यालय क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं जबलपुर के अधीन किया गया है।

प्रकरण में छिंदवाड़ा के थाना परासिया में डॉ. प्रवीण सोनी और कांचीपुरम तमिलनाडु की दवा निर्माता कंपनी मेसर्स श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के संचालकगण के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 105,276 तथा औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 की धारा 27ए के अंतर्गत एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) दर्ज की गई है।

उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा जिले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कारण बच्चों की मृत्यु की घटना संज्ञान में आने पर कोल्ड्रिफ सिरप के सैम्पल जांच के लिए भेजे गए थे। शनिवार की सुबह जांच रिपोर्ट में नमूने अमान्य पाए गए। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कोल्ड्रिफ सिरप के विक्रय को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित किया गया, साथ ही इस दवा की प्रदेश में आवाजाही पर सख्त निगरानी के निर्देश भी दिए गए।

## शरद पूर्णिमा, तीन दशक की परंपरा बरकरार, बर्फानीधाम पर आज लगेगा हजारों भक्तों का मेला

इंदौर। राज योगी बर्फानी दादाजी के आश्रम में औषधि युक्त खीर का वितरण तीन दशक पहले बर्फानी धाम आश्रम एम आय 9 पर शुरू हुआ था, प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महामंडलेश्वर भरत दास महाराज के सानिध्य में शरद पूर्णिमा के अवसर पर निशुल्क औषधि युक्त खीर का वितरण किया जाएगा, इसके लिए सैकड़ो भक्ति अपना अपना दायित्व निभाएंगे।

पूर्वी क्षेत्र स्थित बर्फानी धाम आश्रम हमेशा से ही एम आर 9 रोड (मालवीय नगर) से गुजरने वालों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है इस आश्रम का दक्षिण भारतीय पद्धति में बना प्रवेश द्वार सबका मन अपनी ओर आकर्षित करता है। अधिष्ठाता महामंडलेश्वर भरत दास जी महाराज ने बताया कि 6 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के अवसर पर मध्य रात्रि में औषधि युक्त खीर का वितरण निशुल्क किया जाएगा, इस अवसर पर उत्तराखंड और हिमाचल दुर्गम पहाड़ियों से लाइव औषधीय की दमा, शुगर, और ब्लड प्रेशर के लिए अलग-अलग औषधि युक्त खीर का वितरण किया जाता है इसके साथ ही सामान्य श्रद्धालुओं के लिए भी हजारों लीटर खीर का वितरण इस दिन किया जाता है सामान्यतः 10000 से ज्यादा श्रद्धालु प्रसादी लेने यहा पहुचते है। दमा, ब्लड प्रेशर और शुगर की बीमारियों से पीड़ित हजारों लोग साल भर शरद पूर्णिमा का इंतजार इस औषधि युक्त खीर के लिए करते हैं। महामंडलेश्वर भरत दासजी महाराज , ओमप्रकाश वर्मा पहलवान,कमलेश्वर सिंह सिसोदिया , पुरुषोत्तम यादव, ने बताया कि शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर को औषधि युक्त खीर के वितरण के लिए आश्रम में विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं इस दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां प्रसादी के लिए शामिल होते हैं भक्तों की आस्था और श्रद्धा को देखते हुए आश्रम परिवार के डेढ़ सौ से ज्यादा सेवादार भी व्यवस्था को सुचारु करने के लिए अलग-अलग दायित्वों को निभाएंगे जिनकी जिम्मेदारियां दी जा चुकी हैं महामंडलेश्वर भरत दास महाराज ने बताया कि भव्य आश्रम परिसर में राजराजेश्वरी महात्रिपुरा सुंदरी, मां बगलामुखी, मां बाल त्रिपुरा सुंदरी, भगवान गणेश जी, भैरव जी. राम दरबार हनुमान जी, दादा बर्फानी, परदेश्वर महादेव आदि की विशेष आकर्षक प्रतिमाएं विराजमान है यहां पर दीपावली, दशहरा, पूर्णिमा अमावस्या, नवरात्रि आदि अनेक अवसरों पर पूजन हवन यज्ञ का क्रम लगातार जारी रहता है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम  वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम  वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

# सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन, विज्ञान मेले में प्रदर्शित उत्कृष्ट स्टार्टअप प्रोजेक्ट्स को शीघ्र रजिस्टर करवाएगा

## प्राणिकी एवं जैवप्रौद्योगिकी अध्ययनशाला में विज्ञान के रंगों से सजा आयोजन

उज्जैन । सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की बायोटैक एवं जूलॉजी विभाग में लर्न बाय अर्न योजना के तहत कलर्स ऑफ़ साइंस 2.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने विश्वविद्यालय परिसर को विज्ञान, नवाचार और सृजनशीलता के रंगों से भर दिया। यह आयोजन पूर्णतः विद्यार्थियों द्वारा, विद्यार्थियों के लिए और विद्यार्थियों के ही द्वारा संचालित रहा जिसने आत्मनिर्भरता, नेतृत्व और टीमवर्क की मिसाल पेश की।

इस विज्ञान मेले में विद्यार्थियों ने स्वनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय कर व्यवहारिक शिक्षा का उदाहरण प्रस्तुत किया। प्राणिकी एवं जैवप्रौद्योगिकी अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. सलिल सिंह ने बताया कि मेले में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा तैयार 30 से अधिक फूड और



साइंस प्रोजेक्ट स्टॉल लगाए गए।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन का वह हिस्सा है जो सोचने, खोजने और समाज को नई दिशा देने की प्रेरणा देता है। कलर्स ऑफ़ साइंस 2.0 जैसे आयोजन विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी को निखारते हैं। प्रो. भारद्वाज ने यह भी घोषणा की कि विश्वविद्यालय इस मेले में प्रदर्शित कुछ उत्कृष्ट स्टार्टअप प्रोजेक्ट्स को शीघ्र ही रजिस्टर करवाएगा।

इस आयोजन में फूड स्टॉल्स पर पौष्टिकता और स्वाद का अनोखा संगम देखने को मिला। इनमें लिट्टी-चोखा (बिहार), सोल कड़ी (महाराष्ट्र), उत्तर प्रदेश की चाट, दक्षिण भारत के डोसा व इडली, माइक्रोग्रीन्स सैंडविच, जापान की सुशी, ह्यूमस ब्रेड, शुगर-फ्री डेज़र्ट आदि आकर्षण का केंद्र रहे। बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा तैयार माइक्रोग्रीन्स और स्मूदी ने स्वास्थ्य एवं सतत जीवनशैली का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अनेक नवीन वैज्ञानिक प्रकल्पों और प्रयोगों का प्रदर्शन किया, जिनमें तकनीक और समाज सेवा का सुंदर समावेश दिखा। स्टैनफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने दृष्टिहीनों के लिए स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक तैयार की, जो सेंसर की मदद से मार्ग में आने वाली बाधाओं का संकेत देती है। वहीं, कुछ विद्यार्थियों ने होम ऑटोमेशन सिस्टम प्रस्तुत किया, जो द्धश्चञ्ज  तकनीक पर आधारित है और उपयोगकर्ता को दूरस्थ रूप से घर के उपकरण नियंत्रित करने की सुविधा देता है।

# श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल के दशहरा मिलन किया सम्मान

उज्जैन। गोलामंडी स्थित अग्रवाल धर्मशाला पर अग्रवाल समाज का दशहरा मिलन समारोह एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष इंद्रेश अग्रवाल एवं दीपेश अग्रवाल ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि उज्जैन विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल रहे। कार्यक्रम में अग्रवाल पंचायत न्यास के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी विजय अग्रवाल, पूर्व उपाध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी गोविंद गोयल, सुरेश गोयल, महेश बजाज, अशोक अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल त्रिमूर्ति ऑप्टिकल्स, हरीश मित्तल, संदीप अग्रवाल का सम्मान किया गया। व्यवस्था मंडल के विशेष सहयोग महेश अग्रवाल फ़िल्म, मोहित अग्रवाल का रहा। संचालन पूर्व अध्यक्ष आयुष अग्रवाल ने किया। जिन्होंने दशहरा पर सोना पत्ती की महत्ता बताते हुए सुख समृद्धि का प्रतीक बताया एवं मंडल द्वारा बड़ो को सोना पत्ती देकर आशीर्वाद लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में श्री अग्रवाल पंचायत न्यास के अध्यक्ष निमेष अग्रवाल, सचिव दीपक मित्तल, न्यासी संजय अग्रवाल, न्यासी जयकिशन अग्रवाल, न्यासी संदीप अग्रवाल उपस्थित रहे। अध्यक्ष इंद्रेश अग्रवाल एवं टीम द्वारा दशहारा की शुभकामना प्रेक्षित की गई। नवनियुक्त अध्यक्ष का स्वागत किया गया एवं स्वर्णिम कार्यकाल के लिए समाज जनों से आशीर्वाद का आग्रह किया। इस अवसर पर मंडल के श्लोक अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, प्रियेश अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, आयुष चौधरी, यश अग्रवाल, अर्पित गोयल, अंकुर गर्ग, आदित्य मंगलम, अंश बंसल, अवध सिंघल, पवन अग्रवाल, वंश अग्रवाल, शानू मित्तल, आमिष मित्तल, विपिन अग्रवाल, रोहित गोयल आदि।

## राष्ट्रीय लोक गायक सुंदरलाल मालवीय संत ज्ञानेश्वर श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से सम्मानित



उज्जैन। अन्तरराष्ट्रीय संचेतना महोत्सव मुम्बई में 5 अक्टूबर रविवार को आयोजित किया गया। समारोह में उज्जैन से राष्ट्रीय लोक गायक सुंदरलाल मालवीय को संत ज्ञानेश्वर श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना केंद्रीय कार्यालय उज्जैन द्वारा आयोजित समारोह के संयोजक मराठा मंदिर साहित्य विभाग मुंबई रहे। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि ओस्लो नॉर्वे के वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश चंद्र शुक्ल शरद आलोक थे।

# उज्जैन में हर्षोल्लास से मनाया मुनि श्री प्रणुत सागर जी का 12वां दीक्षा दिवस

उज्जैन। चातुर्मास साधनारत प्रसन्न मनः 108 मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज का 12वां दीक्षा दिवस सोमवार को अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ विशुद्ध देशना मंडप, महावीर मंदिर, लक्ष्मी नगर में मनाया गया।

प्रातः 8 बजे शांतिनाथ मंदिर, लक्ष्मी नगर चौराहा से सैकड़ों श्रद्धालुओं का विशाल चल समारोह मुनि श्री को भक्ति भाव के साथ विशुद्ध देशना मंडप लेकर पहुँचा। कार्यक्रम का शुभारंभ पट्टाचार्य 108 मुनि श्री विशुद्ध सागर जी महाराज को अर्घ्य समर्पित कर किया गया। इसके उपरांत विशुद्ध देशना मंडप में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज की पूजा-अर्चना कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मनीष सपना गोधा (इंदौर) एवं संजय जैन (दिल्ली) का स्वागत किया गया। देशभर से मुनिश्री के अनेक श्रद्धालु भक्त दीक्षा दिवस के इस विशेष अवसर पर उज्जैन पधारे। मुनि श्री के बाल्यकाल से लेकर दीक्षा तक के जीवन परिचय पर आधारित एक आकर्षक नाट्य प्रस्तुति ने सभी को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर उज्जैन के प्रसिद्ध समाजसेवी, श्रावक श्रेष्ठि एवं कॉलोनाइज़र अश्विन रूचि कासलीवाल द्वारा मुनि श्री की इच्छा अनुसार उज्जैन को एक स्थायी सौगात देने की घोषणा की गई। इस भव्य प्रकल्प का नाम 'स्वर्ग' होगा, जिसमें उन वयोवृद्ध जनों को स्थान दिया जाएगा जिनके बच्चे शहर के बाहर विदेश में रहते हैं या जिन माता-पिता को बच्चों ने त्याग दिया हो। यह सर्वसुविधा युक्त प्रकल्प वातानुकूलित कमरों, भोजनशाला, विशाल पुस्तकालय, उद्यान, डॉक्टर क्लीनिक और गौशाला से सुसज्जित होगा।गुरु भक्ति और निस्वार्थ सेवा के प्रतीक स्वरूप, मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज ने अश्विन रूचि कासलीवाल को अपना 'धर्म का माता-पिता' घोषित कर उज्जैन की धरती को गौरवान्वित किया।

# पेंशनर्स संघ ने मुंह पर काली पट्टी बांध कर डीईओ कार्यालय पर शांति पूर्ण धरना दिया

उज्जैन। प्रमुख पेंशनर्स ऐसोसिएशन उज्जैन एवं संयुक्त पेंशनर्स मोर्चा उज्जैन के तत्वावधान में शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों के सैकड़ों पेंशनर्स ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय उज्जैन पर प्रातः 10.30 बजे से 12.30 तक 2 घंटे का मुंह पर काली पट्टी बांध कर शांतिपूर्ण मौन धरना प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त शिक्षकों के अर्जित अवकाश नगदीकरण प्रकरणों एवं अन्य प्रकरणों में विभाग की मनमानी एवं हठधर्मिता तथा अकर्मण्यता पर विरोध स्वरूप आयोजित किया गया था। इसमें प्रमुख पेंशनर्स ऐसोसिएशन उज्जैन के अलावा म.प्र.विधुत पेंशनर्स ऐसोसिएशन, नगर निगम पेंशनर्स ऐसोसिएशन उज्जैन एवं अन्य पेंशनर्स ऐसोसिएशन की सहभागिता




रही। उल्लेखनीय है, कि शिक्षा विभाग के सैकड़ों सेवानिवृत्त शिक्षक 2-4 वर्ष से अधिक अवधि से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनके अर्जित अवकाश नगदीकरण प्रकरणों एवं अन्य प्रकरणों का निराकरण नहीं हो पा रहा है। पेंशनर्स परेशान हो रहे हैं। उनकी परेशानी के लिए प्रमुख पेंशनर्स ऐसोसिएशन जिला उज्जैन लगातार शिक्षा विभाग को अपने पत्रों से अवगत कराकर निराकरण की मांग करता आ रहा है। लेकिन शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने किसी भी प्रकरण में सकारात्मक पहल नहीं करते हुए प्रशासनिक हथकंडे के माध्यम से लंबे अरसे से अटका रखा है। संगठन ने शिक्षा विभाग के विभिन्न स्तर के अधिकारियों से प्रत्यक्ष मुलाकात कर प्रकरण के संबंध में अवगत करा कर निराकृत करने की मांग की। संगठन के अनेक प्रयासों के बाद भी अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंगी है। इससे सेवानिवृत्त शिक्षकों में तीव्र असंतोष एवं आक्रोश व्याप्त है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की निरंकुशता आज के कार्यक्रम के दौरान भी सामने आई, कि इस कार्यक्रम के दौरान या समापन उपरांत भी कोई भी अधिकारी पेंशनर्स के सामने नहीं आया और नाहीं पेंशनर्स से मुलाकात करना उचित समझा।यह दूर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

उल्लेखनीय है, कि शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली के विरोध स्वरूप चक्रतीर्थ श्मशान घाट पर बैठक सांकेतिक विरोध प्रकट किया था एवं उसी बैठक में पेंशनर्स ने तय किया था, कि आज का कार्यक्रम मुंह पर काली पट्टी बांध कर शांति पूर्ण मौन धरना प्रदर्शन निर्णय लिया गया था।

# भारतीय कानूनों मे बदलते आयामों पर सुमित माहेश्वरी को पीएचडी

उज्जैन। उज्जैन के युवा होनहार शोधार्थी सूरज नगर निवासी सुमित माहेश्वरी को सेज यूनिवर्सिटी इंदौर से डॉक्टरेट ऑफ़ फिलॉसफी की उपाधि प्रदान की गई है।

सेज विश्वविद्यालय, इंदौर की प्रोफेसर डॉ. सुनीता श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में सुमित माहेश्वरी को उनके शोध प्रबंध ÷बलात्कार और यौन उत्पीड़न में लैंगिक तटस्थता का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन ‒ भारतीय कानूनों में एक बदलता आयाम÷ के लिए डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई है। वे कर सलाहलकार एडवोकेट सुभाष माहेश्वरी और अर्चना माहेश्वरी के पुत्र हैं। अपने शोध कार्य में, सुमित ने एक्पेक्ट समाज में बलात्कार और यौन उत्पीड़न के मामलों में लैंगिक तटस्थता कानूनों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार जन एवं इष्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com